उपसभापति : गौतम जी, आपने कहा ठीक है । जब समय आएगा तब देखेंगे । बोलिए दिग्विजय जी क्या प्रिविलेज का मामला है आपका ?

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैंने एक नोटिस विशेषाधिकार के हनन का दिया था . . (**व्यवधान**)

श्री संघ प्रिय गौतम : मैडम, यह इतना गंभीर मसला है कि इस पर दो दिन तक बहस होनी चाहिए . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : आप काहे की बहस कर रहे हैं . . (**व्यवधान**) . . आप गलत जगह पर बहस कर रहे हैं । सुन लिया, आपकी बात हो गई । हमने आपकी बात नोट कर ली । अब दिग्विजय जी को बोलने दीजिए ।

RE QUESTION OF PRIVILEGE

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) :उपसभापति महोदय, यह विशेषाधिकार के हनन का मामला है जिसका नोटिस मैंने कल चेयरमेन साहब को दिया था । हमारे नेता श्री यशवंत सिन्हा के घर पर पुलिस के द्वारा सर्विलियेंस की जा रही है, उनके दिल्ली के मकान पर इसका एक नमूना मैं आपके सामने पेश कर रहा हूं ।

मैडम, यशवंत सिंहा जी के घर पर डी.टी.सी. के कर्मचारियों की एक बैठक हो रही थी और डी.टी.सी. के लोग . . (**व्यवधान**) . .

उपसभापति महोदय, अगर सरकार हमारे प्रिविलेज को इस तरह से स्कटल करना चाहती है तो हम नहीं बोलते हैं . . (**व्यवधान**) अल्वा जी, स्वामी जी, हम तो इन्हीं से परेशान हैं . . . (**व्यवधान**) . .

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Sorry. I am sorry.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : आपने जो सर्विलियेंस की बात की है, यशवंत सिन्हा का चेहरा तो हमको क्रिमिनल का चेहरा नजर नहीं आता . . (**व्यवधान**) . . किस सिलसिले में हो रहा है ?

شری سکندر بخت :- آپ نے جو سرویلینس کی بات کی ہے ۔ یشونت سنہا کا چہرہ تو ہمیں کرمنل کا چہرہ نظر نہیں آتا ۔ ۔ "مداخلت" ۔ ۔ کس سلسلہ میں ہو رہا ہے ۔

श्री दिग्विजय सिंह : कुछ दिन में आप पर होने वाला है । हो रहा होगा, आपको पता नहीं होगा ।

मैडम, उनके यहां डी.टी.सी. के कर्मचारियों की एक बैठक हो रही है थी जिसमें श्री रमेश चन्द्र पुनिया नाम का एक कर्मचारी भी शामिल था । मैडम, डी.टी.सी. के मैनेजर ने एक चिट्ठी लिखी दिल्ली पुलिस को कि क्या श्री रमेश चन्द पुनिया, श्री यशवंत सिन्हा जी के घर पर हुई बैठक में शामिल थे ? दिल्ली पुलिस का जो जवाब आया है वह मैं आपको पढकर सुनाना चाहूंगा---

"Please refer to your letter No. MER|92|5044, dated 31.12.92 and 22.1.93 on the above subject. I am directed to inform you that on checking of record, it has been found that Mr. Ramesh Chand Punnia, Leader of D.T.C. Workers Union with 100/125 persons visited the residence of Sh. Yashwant Sinha (MP) at Teen Murti, Kothi No. 4 on 27.11.91 between 4.00 P.M. to 5.00 P.M."

उपसभापति महोदया, मैं यह पूछना चाहता हूं कि जब श्री यशवंत सिन्हा मंत्री नहीं रहे, उसी दिन से उनके घर से पुलिस की सारी व्यवस्था हटा ली गई थी और कोई सुरक्षा गार्ड उनके पास नहीं था । प्रधान मंत्री के निवास पर कौन आता है, कौन जाता है, 15 दिन के अन्दर इसका रिकार्ड खत्म कर दिया जाता है लेकिन 2 साल पहले श्री यशवंत सिन्हा के घर पर कौन आया, कौन गया , इसका रिकार्ड पुलिस मैंटेन करती है । तो हम सांसद लोग क्या अपने अधिकारों का इस्तेमाल अपने विचारों को रखने के अधिकार का इस्तेमाल किस प्रकार से कर सकते हैं ? क्या सरकार बताएगी कि यह सर्विलियेंस

Transliteation in Arabic Script.

यशवंत सिन्हा जी के घर पर उन दिनों क्यों हो रही थी ?

श्री सिकन्दर बख्त : मैडम, यह बहुत सीरियस मामला है । मैं तो एक दूसरा सवाल अभी उठाने वाला हूं कल के बयान से संबंधित लेकिन पहले यह वाकई साफ होना चाहिये कि क्या पार्लियामेंट के मेंबर्स की इस तरीके से सर्विलियेंस की जानी चाहिये या की जाती रही है, अब तो रिकार्ड पर भी आ गया है और इससे इंकार नहीं किया जा सकता मैं समझता हूं कि यह बहुत ही सीरियस इलजाम है सरकार पर और सरकार को इसका खातिरख्वाह जवाब देना चाहिये । मैं 100 फीसदी सख्तरीन ऐतराज चाहता हूं कि वह रिकार्ड पर आ जाय कि मेंबर्स आफ पार्लियामेंट पर इस तरह से सर्विलियेंस की जाती है ।

شری سکندر بخت: میڈم - یہ بہت سیریس معاملہ ہے - میں تو ایک دوسرا سوال بھی اٹھانے والا ہوں کل کے بیان سے متعلق لیکن پہلے یہ واقعی صاف ہونا چاہئے کہ کیا پارلیمنٹ کے ممبرس کی اس طریقے سے سرویلینس کی جانی چاہیئے یا کی جاتی رہی ہے - اب تو ریکارڈ پر بھی آگیا ہے اور اس سے انکار نہیں کیا جا سکتا - میں سمجھتا ہوں کہ یہ بہت ہی سیریس الزام ہے سرکار پر اور سرکار کو اس کا خاطر خواہ جواب دینا چاہیئے - میں ۱۰۰ فیصد سخت ترین اعتراض چاہتا ہوں کہ وہ ریکارڈ پر آجائے کہ ممبرس آف پارلیمنٹ پر اس طرح سے سرویلینس کی جاتی ہے ۔

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is amatter of privilege. He has spoken on a matter of privilege. I want to remind. It is a matter of privilege. Let the Chairman accept it. If he accepts it, then, we will look into the matter. (Interruptions).

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : महोदया, पुलिस वहां पर रहेगी तो जो सांसद है उनके स्वतंत्र अधिकारों पर यह हस्तक्षेप है । हम स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर सकते हैं । प्रिविलेज में जायेगा तो देखा जायेगा, लेकिन सवाल यह है कि हम संसद सदस्य की हैसियत से किस तरह से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकते हैं ? इसके सिलसिले में गृह मंत्री जी को वक्तव्य देना चाहिये (व्यवधान)

SHRI M. A. BABY (Kerala): Madam, we know that similar surveillance is bein carried out with regard to Members of the ruling party itself. We know that. We have been getting information ... (Interruptions). ...

Madam this is to muzzle the democratic process of our country.

(Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, just one minute. .. (Interruptions ...

SHRI M. A. BABY: Madam, is it a democracy or a dictatorship that they are having?... (*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Malam, the charge of surveillance on the residence of Mr. Yashwant Sinha stands proved by the fact of the letter from the Police Department. I am surprsed to note that DTC thought it fit to write to Police and Police thought it fit to despond. It is a brazen cae of surveillance. Do we have a police State in the country? And we have the Home Minister fortunately with us in the House, who is also the Leader of the House, and he must be able to rise and respond and he must be able to make a statement after gathering information from the Police Department.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, may I explain the position? I can assure all the hon. Members that there is no question of any surveillance by the Police on any of the hon. Members. The very fact that DTC wrote to the Police and Police wrote to

+[]*Transliteation in Arabic Script.*

the concerned person clearly shows it. If the surveillance had been there, he would not have dared to write this kind of a letter but ... (Interruptions) ...

SHRI S. JAIPAL REDDY: But how did the Police Department know about it? ||| (Interruptions) ...

उपसभापति : सुनिये, उनकी बात सुनिये... (**व्यवधान**)

SHRI S. B. CHAVAN: But certainly if there is anything which is not known to me, I will certainly look into the matter and try to find out as to what exactly the reason was for writing this kind of a letter.. I will definitely find out ... (Interruptions) ...

श्री दिग्विजय सिंह : अगर यह बात साबित हो गई कि डी०टी०सी० ने यह पत्र लिखा है और दिल्ली पुलिस ने इसका जवाब दिया है तो पुलिस पर आप ऐक्शन लेंगे ?

श्री एस०बी० चव्हाण : हाइपोथेटिकल बात पर मैं कोई ऐक्शन नहीं ले सकता हूं । (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैं कहना यह चाहता हूं कि सर्विलेंस के लफ्ज को अगर बीच में निकाल भी दिया जाये तो इन लोगों की जरूरत कैसे हुई खत लिखने की कि मेंबर पार्लियामेंट के यहां गया या नहीं ? इसका मकसद क्या है ? हद से ज्यादा बातें बढ़ रहीं हैं । इनकी ओर मैं तवज्जह चाहता हूं ।

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ - میں کہنا یہ چاہتا ہوں کہ سرویلینس کے لفظ کو اگر بیچ میں نکال بھی دیا جائے تو اُن لوگوں کی ضرورت کیسے ہوئی خط لکھنے کی کہ ممبر پارلیمنٹ کے یہاں گیا یا نہیں - اس کا مقصد کیا ہے - حد سے زیادہ باتیں بڑھ رہی ہیں - اُن کی طرف میں توجہ چاہتا ہوں -

†[]Transliteation in Arabic Script.

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): How many Congressmen and how many Opposition Members are on the surveillance list? ...(Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now on that matter raised about privilege I permitted him to speak. Let the Chairman decide about it and we will take note of it.

(*Interruptions*)

SHRI M. A. BABY: The privilege part, of course, has to be under the consideration of the Chairman, but being Members of Parliament our functioning is being affected by their behaviour. If the Police is going to behave like this... (*Interruptions*)... There is another aspect of the whole thing, Madam. ...(*Interruptions*)...

SHRI N. E. BALRAM (Kerala): Madam, my request is... (*Interruptions*)... The Home Minister has said... (*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : इसमें एक दूसरा पहलू भी है । यशवन्त सिंहा जी के घर पर पुलिस रहे या नहीं यह अलग सवाल है । लेकिन देश में जो आजाद मजदूर आंदोलन चलता है उसको दबाने के लिये क्या यह अधिकार किसी को है कि पुलिस का इस्तेमाल करें ? जो कुछ भी है वह गये तो वह स्वच्छंद थे, मजदूर आंदोलन के सिलसिले में सांसद की सहायता लेते जा सकते है । लेकिन मजदूरों के आंदोलन को दबाने के लिये पुलिस का इस्तेमाल जिस प्रकार से किया गया,

it is wrong. The whole labour movement will be affected.

SHRI N. E. BALARAM: The Home Minister told us that there was no surveillance at the residence of Shri Sinha. If it is a fact, I think, he can make a statement at 2.30 P.M. or 3.00 P.M. as to what happened. We we would like to know that because it is a very serious issue.

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Madam, give me one minute.

SHRI N. E. BALARAM: We don't know what the police is doing on their own and we have no control over them.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a privilege issue. Why do you want to speak now?

SHRI N. E. BALARAM: The question of privilege is there. I am not talking about the question of privilege. (*Interruptions*)... I am not raising any privilege question. I request the Home Minister to come and tell us what has happened. It is a shameful thing.

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, I may just add one thing that either way it is a breach of privilege. If Members are under surveillance it is a breach of privilege. If we agree with Home Minister, then it is a very crude attempt to intimidate the Members. The DTC writes to the police, which it has no business to do, and the police promptly replies, "From our record..." They cannot have any record. It is a crude attempt to intimidate the Members of Parliament and the Delhi Police is doing it not for the first time. Mr. Ahluwalia's case is there for which I have given a privilege motion. It is still with the Chairman. In fact, it was referred to the Privileges Committee. It is a crude attempt to make records, falsify records and intimidate the Members. I would request the Home Minister: Please take strong action. Change the top brass of the Delhi Police. They have gone amuck, they have run amuck from any signal or by themselves. Let the Members function independently without any hampering in their normal functioning. That is my request.

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): Madam, I would say that during Rajiv Gandhi's period the question of surveillance by the Haryana police led to the fall of a Government. Madam, they say it is a record means that they have been maintaining a record on the Members for a continuous period of time. After all, they wouldn't do it in a particular incident. That proves they have maintained a record on the Members. So, Members are agaitated as to whether the police is keeping a watch on every Member. (*Interruptions*)... So, the Minister has to explain this matter so that we can fearlessly work in the Parliament.

श्री एस०एस० अहलुवालिया (बिहार) : यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि आये दिन कभी कोई मंत्री कहता है कि मेरा टेलीफोन टेप किया जाता है....

एक माननीय सदस्य: अर्जुन सिंह ने कहा।

श्री एस०एस० अहलुवालिया : कभी कोई सदस्य कहता है कि मेरे घर का सर विलेंस किया जा रहा है। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है। एक तरफ देखा गया है कि हमारे माननीय सदस्य दिग्विजय सिंह ने डी०टी०सी० और दिल्ली पुलिस की कारसपोंडेंस दिखाई है। महोदया, जिस वक्त हम पार्लियामेंट में घुस जाते हैं उसी वक्त से शुरु हो जाती है। हमने पार्लियामेंट के बारे में सुना था कि दिल्ली पुलिस या किसी भी राज्य की पुलिस इसके अन्दर नहीं आ सकती और पार्लियामैंट का अपना स्टाफ होगा। पर आज जितने मैंबर हैं उससे दस गुणा दिल्ली पुलिस के लोग हैं इसके अन्दर। मैं यह नहीं कहता कि हमें सेक्योरिटी पर भरोसा नहीं है। अगर आप रिकार्ड मंगाकर देख लें चाहे किसी का भी राज रहा हो, जनता पार्टी का राज रहा, हो, हमारा रहा है या साजपा का राज रहा है हर राज में इंटीलीजेंस डिपार्टमेंट से बराबर लोग रहे है। मैं यहां पर कई ऐसे लोगों से मिला हूं कलकत्ता की आई.बी. के लोग हैं जो मेरे साथ पढ़े थे कालिज टाइम में। आजे

कलकत्ता आई०बी० में काम करते हैं। उनको यहां भेजा जाता है। हैदराबाद से आते हैं, मद्रास से आते हैं या दूसरे राज्यों से इंटेलीजेंस डिपार्टमेंट से आकर मेंबरों का सरविलेंस करते हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या कारण है कि मेंबरों पर सरविलेंस किया जाता है? क्या सरकार का संसद सदस्यों पर से विश्वास उठ गया है?

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, they can use these closed circuit cameras also to monitor what is happening in the Chamber. This is another surveilance which is started in the name of security.

श्री एस०एस० अहलुवालिया: सिक्योरिटी के नाम पर हम किस हद तक जायेंगे यह मैं जानना चाहता हूं। घर के बाहर अगर कोई दुकान लगाकर बैठा है उसके पास कोई कस्टमर नहीं आता वह खाली घंटी बजाता रहता है तो इसके बारे में सोचना पड़ेगा। हो सकता है वह मेरे घर की सरविलेंस कर रहा हो। यह बात बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को इस बारे में सोचना चाहिये। अगर पुलिस बिना सरकार की परमिशन के कोई ऐसा काम कर रही है यह गैरजिम्मेदाराना है। इस पर सरकार को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिये।

RE. REMAND FOR CBI ENQUIRY IN TAMIL NADU CASE

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सदर साहिबा, कल होम मिनिस्टर साहब ने एक बयान दिया था। मैं उस बयान का सिर्फ एक हिस्सा पढ़कर सुनाना चाहता हूं –

†شری وردھی دل "شری سکندر بخت: صدر صاحبہ - کل ہوم منسٹر صاحب نے ایک بیان دیا تھا - میں اس بیان کا صرف ایک حصہ پڑھ کر سُنانا چاہتا ہوں -

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

The Home Minister said, "But I have full faith in the Tamil Nadu police. If they are able to investigate into the matter, certainly we don't have any objection. But if the Chief Minister herself feels that the CBI should enquire into the matter and as some of the hon. Members are also expressing the view that the CBI should enquire into the matter, I have no objection provided I get a written request..." The hon. Home Minister also said... (*Interruptions*)...

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): Madam, I have taken permission...

SHRI SIKANDER BAKHT: Let me finish. (*Interruptions*). Just a minute. The Home Minister also said, "A mere public statement is not enough. She has to write to us that she wants to have a CBI enquiry." (*Interruptions*).

SHRI G. SWAMINATHAN: Madam, I have taken permission. (*Interruptions.*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Sikander Bakht... (*Interruptions*).

SHRI G. SWAMINATHAN: Madam, I have got permission from the Chairman. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Bakht, Mr. Swaminathan has taken permission from the Chairman. His name is there. I will allow you to associate yourself. If he permits you to speak I have no objection.

SHRI G. SWAMINATHAN: Madam, yesterday this matter was raised here. I have got the records also. The Home Minister very frankly said. "But I have full faith in the Tamil Nadu Police. If they are able to investigate into the matter, certainly we don't have any objection. But if the Chief Minister herself feels that the CBI should enquire into the matter and as some of the hon. members are also expressing the view that the CBI should enquire into the matter, I have